केन्द्रीय विद्यालय संगठन कोलकाता संभाग

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, KOLKATA REGION

सत्रांत परीक्षा / SESSION ENDING EXAMINATION, 2025-26

कक्षा / CLASS-VII अधिकतम अंक/Max. Marks: 60

विषय/Sub.: हिन्दी / HINDI समय/Time: 2 ½ घंटे / Hrs.

सामान्य निर्देश :

(क) इस प्रश्नपत्र में कुल **13** प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ख) इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं-क, ख, ग, घ।

(ग) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

(घ) कृपया जांच कर ले कि इस प्रश्न पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** है।

(ङ) इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया ।

खंड – क

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(1x5=5)

बचपन में बालक अबोध होता है। उसे अच्छे-बुरे की पहचान नहीं होती उसका मन शीशे की तरह स्वच्छ होता है। दूसरे की संगति में उनके कार्यों का अनुकरण करता है। यदि वह अच्छी संगति में रहता है तो उस पर अच्छे संस्कार पड़ते जाते हैं और यदि उसकी संगति बुरी है तो उसकी आदतें भी बुरी हो जाती हैं। हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम निरंतर अच्छे चरित्रवान एवं कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों की संगति में रहें। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि कुसंगति का प्रभाव अधिक तीव्रता के साथ होता है। झूठे और स्वार्थी व्यक्ति दूसरों पर अपना दुष्प्रभाव डालनेका भरसक प्रयास करते हैं। हमें इनसे दूर रहना चाहिए। उन लोगों का साथ सदैव कष्टदायक सिद्ध होता है। सत्संगति से दुष्ट स्वभाव का व्यक्ति भी सुधर जाता है। महात्मा बुद्ध की संगति में आकर दुष्ट अंगुलिमाल ने नरहत्या को त्याग दिया था। इसी प्रकार डाकू वाल्मीकि का उद्धार भी सत्संगति के कारण ही हुआ। बाद में महान कवि बने और 'रामायण' जैसे महान ग्रंथ की रचना कर सके।

क. बचपन में बालक का मन कैसा होता है?

(i) अबोध **(ii)** निश्छल

(iii) शीशे की तरह स्वच्छ **(iv)** दिए गए सभी

ख. हमें कैसे व्यक्तियों की संगति करनी चाहिए**?**

(i) चरित्रवान (ii) कर्त्तव्यनिष्ठ

(iii) सज्जन (iv) ये सभी

ग. हमें कैसे व्यक्तियों से दूर रहना चाहिए?

(i) दुर्जन (ii) कर्मठ

(iii) सज्जन (iv) गुणी

घ. 'रामायण' ग्रंथ की रचना किसने की थी?

ङ. इस गद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

प्रश्न 2 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(1x5=5)**

"मंजिलें उसी को मिलती हैं,
जो ठान लेते हैं,
कभी भी रास्ते नहीं बदलते,
जो चलते रहते हैं।
वह मंजिल क्या जो हमें सुकून से मिल जाए,
जो रास्ते के काँटे न चुनें,
वह क्या रास्ता होगा?
हर मुश्किल को अपना दोस्त बना लो,
मंजिलें खुद-ब-खुद कदमों में आ जाएँगी।"

क. "मंजिलें उसी को मिलती हैं, जो ठान लेते हैं" का क्या मतलब है?

(i) केवल मेहनत से मंजिल मिलती है।

(ii) मंजिल पाने के लिए कुछ नहीं करना चाहिए।

(iii) अगर किसी ने ठान लिया तो मंजिल मिल जाएगी।

(iv) मंजिल आसान रास्ते से मिलती है।

ख. काव्यांश में यह कहा गया है कि जो रास्ते के काँटे न चुनें, वे क्या करेंगे?

(i) वे कठिन रास्ते को चुनेंगे।

(ii) वे आसान रास्ते चुनेंगे।

(iii) वे बिना किसी संघर्ष के मंजिल तक पहुँचेंगे।

(iv) वे रास्ते बदलते रहेंगे।

ग. "हर मुश्किल को अपना दोस्त बना लो" से कवि का क्या अर्थ है?

(i) हमें समस्याओं से डरना चाहिए।

(ii) हमें मुश्किलों का सामना करना चाहिए और उनसे सीखना चाहिए।

(iii) हमें कठिनाइयों से बचना चाहिए।

(iv) हमें मुश्किलों को छोड़ देना चाहिए।

घ. "मंजिलें खुद-ब-खुद कदमों में आ जाएँगी" का संदेश क्या है?

ङ. काव्यांश का मुख्य उद्देश्य क्या है?

खंड – ख

प्रश्न 3 मिलकर करें मिलान **(4)**

शब्द		**अर्थ/संदर्भ**	
1	नंदलाल	1	पर्वत को धारण करने वाले श्री कृष्णा
2	वैजंती	2	श्रवण का महीना,आषाढ़ के बाद का और भाद्रपद के पहले का महीना
3	सावन	3	वैजंती पौधे के बीजों से बनने वाली माला
4	गिरिधर	4	नंद के पुत्र ,श्री कृष्ण

4.निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द तथा उपसर्ग अलग करें । **(2)**

क) आवरण

ख) प्रशिक्षण

5) निम्नलिखित प्रत्यय से एक –एक शब्द बनाएँ । **(2)**

क) इत

ख) ईय

6) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही तीन मुहावरों के अर्थ लिखें तथा उनसे वाक्य भी बनाएँ । (3)

क) आँख भर आना

ख) आँख फेरना

ग) आँखों से उतरना

घ) आँखों में खटकना

7) नीचे दिये गए विशेष्यों के लिए अपने मन से विशेषण सोचकर लिखिए । **(3)**

क) वर्षा

ख) पानी

ग) बादल

खंड –ग

प्रश्न 8. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

गाना, बजाना और नाचना-ये तीनों संगीत का हिस्सा हैं। संगीत में लय होती है। उसका ज्ञान आवश्यक है। नृत्य में शरीर, ध्यान और तपस्या का साधन होता है। नृत्य करना एक तरह से अदृश्य शक्ति को निमंत्रण देना है-कृष्ण, मेरे अंदर समाओ और नाचो। नृत्य ही नहीं, हमारी हर गतिविधि में लय होती है। घसियारा घास को हाथ से पकड़ कर उस पर हँसिया मारता है और फिर घास हटाता है। मारने और हटाने की इस लय में जरा भी गड़बड़ी हुई नहीं कि उसका हाथ गया। लय हर काम में, नृत्य में, जीवन में संतुलन बनाए रखती है। लय एक तरह का आवरण है, जो नृत्य को सुंदरता प्रदान करती है। अगर नर्तक को सुर-ताल की समझ है तो वह जान पाएगा कि यह लहरा ठीक नहीं है। इसके माध्यम से नृत्य अंगों में प्रवेश नहीं करेगा।

क . निम्न में से क्या संगीत का हिस्सा है?

(i) खेलना **(ii)** नाचना

(iii) घास काटना **(iv)** घूमना

ख. घसियारा किससे घास काटता है?

(i) चाकू से **(ii)** कुदाल से

(iii) फावड़े से **(iv)** हँसिया से

ग . नृत्य करना क्या है?

(i) मनोरंजन **(ii)** समय पास

(iii) अदृश्य शक्ति को निमंत्रण **(iv)** धन कमाना

घ. यदि लहरा ठीक ना हो तो

(i) नृत्य रूक जाएगा **(ii)**नृत्य अंगों में प्रवेश नहीं करेगा

(iii) नृत्य में मनोरंजन नहीं होगा **(iv)** नृत्य उदासी भरा होगा

ङ. अदृश्य शक्ति के रूप में किसे निमंत्रण दिया गया है-

(i) राम **(ii)** कृष्ण

(iii) शिव **(iv)** दुर्गा माँ

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सीमा-हीन गगन में उड़ते,
निर्भय विचरण करते हैं;
नहीं कमाई से औरों की
अपना घर वे भरते हैं!
वे कहते हैं, मानव! सीखो
तुम हमसे जीना जग में;
हम स्वच्छंद और क्यों तुमने
डाली है बेड़ी पग में?
तुम देखो हमको, फिर अपनी
सोने की कड़ियाँ तोड़ो;
ओ मानव! तुम मानवता से
द्रोह-भावना को छोड़ो!

क . पक्षी कहाँ विचरण करते हैं?

(i) सीमित गगन में
(ii) अनंत ऊँचाई पर
(iii) सीमा-हीन गगन में
(iv) निश्चित सीमा में

ख. निर्भय का अर्थ है-

(i) भयभीत
(ii) डरपोक
(iii) भयावह
(iv) निडर

ग. मानव किसमें जकड़ा है?

(i) लालच की बेड़ियों में
(ii) लालसा की ज़ंजीरों में
(iii) सोने की कड़ियों में
(iv) सभी उत्तर उचित हैं

घ . मानवता है-

(i) विद्रोह का त्याग
(ii) ईर्ष्या व द्वेष
(iii) ग्लानि व घृणा
(iv) वैर-विरोध

ङ. कौन-सा शब्द 'गगन' का समानार्थक नहीं है?

(i) व्योम
(ii) धरा
(iii) आकाश
(iv) आसमान

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए ।(2 x 6 =12)

(क) बिरजू महाराज नृत्य का औपचारिक प्रशिक्षण आरंभ होने से पहले ही कथक कैसे सीख गए थे?

(ख) नृत्य सीखने के लिए संगीत की समझ होना क्यों अनिवार्य है?

(ग) "सब मिल-जुलकर रहते हैं वे, सब मिल-जुलकर खाते हैं" पक्षियों के आपसी सहयोग की यह भावना हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) "जो मिलता है, अपने श्रम से उतना भर ले लेते हैं" पक्षी अपनी आवश्यकता भर ही संचय करते हैं। मनुष्य का स्वभाव इससे भिन्न कैसे है?

(ङ) "बिना बिचारे जो करै सो पाछे पछिताय।"कविता में बिना विचार किए कार्य करने के क्या नुकसान बताए गए हैं?

(च) वर्षा बहार कविता में कौन-कौन गीत गा रहे हैं और क्यों?

(छ) वर्षा बहार कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है? उसे पहचानिए, समझिए और अपने शब्दों में लिखिए।

खंड –घ

प्रश्न 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। (5)

(क) खेल सामग्री मंगवाने हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

अथवा

(ख) मोबाइल फ़ोन का प्रयोग कम करने की सलाह देते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्रश्न 12. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।(5)

(क) प्रदूषण की समस्या

(ख) पुस्तकालय

(ग) खेल का महत्व

प्रश्न 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लिखिए । (4)

पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाने पर दो दोस्तों के बीच संवाद लिखिए।

अथवा

एक मित्र और दूसरे मित्र के बीच परीक्षा की तैयारी पर संवाद लिखिए।

*****